प्राचीन सुबकि पेंटगि

[सरोत: इंडयिन एकसप्रेस](#)

मणपुिर की समृद्ध सांस्कृतकि वरिासत को संरक्षति करने हेतु **मणपुिर की** प्राचीन **सुबकिा पेंटगि शैली**, जो वलिुप्त की कगार पर है, को पुनर्जीवति करने के लयि व्यापक प्रयास कयि जा रहे हैं।

- सुबकिा पेंटगि शैली मैतेई समुदाय के सांस्कृतकि इतहािस से संबंधति है तथा अपनी छह जीवति पांडुलपियिों; सुबकिा, **सुबकिा अचौबा, सुबकिा लाईशाबा, सुबकिा चौदति, सुबकिा चेइथलि तथा थेंगराखेल सुबकिा** के माध्यम से अस्तत्वि में हैं।
- यह शैली ऐतहिासकि रूप से महत्त्वपूरण है कतिु वगित कुछ वर्षों में हुई इसकी उपेक्षा के परणिामस्वरूप इसकी स्थतिि प्रभावति हुई है।
- यह पेंटगि **हस्तनरि्मति कागज़ पर बनाई जाती हैं** तथा **पांडुलपियिों के लयि आवश्यक सामग्री**, जैसे हस्तनरि्मति कागज़ अथवा वृक्ष की छाल, स्थानीय स्तर पर तैयार की जाती है।

//

और पढ़ें... भारतीय चत्रिकला